6. यूनेस्को द्वारा आरम्भ की गयी पहलें

(INITIATIVES OF UNESCO)

यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति एवं संचार के समन्वय में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु उत्तरदायी है। यह राष्ट्रों तथा समाजों के मध्य संबंधों को सुदृढ़ करने के साथ व्यापक स्तर पर लोगों को संगठित करता है जिससे प्रत्येक बच्चा एवं नागरिक:

- गुणवत्ता युक्त शिक्षा तक पहुंच प्राप्त कर सके- एक बुनियादी मानवाधिकार एवं संधारणीय विकास हेतु एक अपरिहार्य शर्त;
- विविधता तथा संवाद से समृद्ध एक सांस्कृतिक परिवेश में विकास कर सके एवं निवास कर सके, जहां धरोहर पीढ़ियों तथा लोगों के मध्य सेतु स्थापित करने का कार्य करती है ;
- वैज्ञानिक प्रगति से पूरी तरह से लाभान्वित हो सके;
- और अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता; लोकतंत्र का मूलाधार, विकास तथा मानव गरिमा का लाभ प्राप्त कर सके।

6.1.कुंभ मेला

(Kumbh Mela)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में यूनेस्को ने कुम्भ मेले को **'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर'** की प्रतिनिधि सूची में सम्मिलित किया है।

कुम्भ मेला

- कुम्भ मेला (पवित्र कलश का त्योहार) विश्व में श्रद्धालुओं का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है। यह पवित्र नदियों में उपासना एवं स्वच्छता से संबंधित अनुष्ठानों के समन्वय का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है, जिसे प्रत्येक बारह वर्षों के अन्तराल पर पौष माह (22 दिसंबर- 20 जनवरी) की पूर्णिमा के समय मनाया जाता है। इसमें पवित्र नदी में स्नान करने के साथ -साथ विभिन्न अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है।
- प्रत्येक चार वर्षों में चक्रीय आधार पर इसका आयोजन निम्न स्थलों पर किया जाता है:
  - **हरिद्वार** (गंगा नदी के तट पर),
  - **इलाहाबाद** (गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर),
  - **नासिक** (गोदावरी नदी के तट पर),
  - **उज्जैन** (क्षिप्रा नदी के तट पर)
- 'कुंभ मेले' से संबंधित ज्ञान साधु एवं संतों द्वारा गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से प्रसारित हुआ है।
- इतिहास में 'कुम्भ मेले' के विषय में विवरण **ह्वेन सांग** की रचनाओं में मिलता है। ह्वेन सांग सातवीं सदी में हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था। आठवीं सदी में **शंकराचार्य** के द्वारा भी इस त्योहार को जन साधारण के मध्य प्रचलित किया गया था।

- **ह्वेन त्सांग (युवान चांग या युआन-त्यांग)** एक चीनी यात्री था। वह **हर्षवर्धन** के शासनकाल के दौरान भारत आया था।
- जब वह वापस चीन लौटा, तब उसने अपनी पुस्तक **'सी-यू-की' या 'रिकॉर्ड ऑफ़ द वेस्टर्न कंट्रीज'** में भारत के संदर्भ में विस्तृत वर्णन लिखा।
- उसका वर्णन, तत्कालीन भारत के प्रशासनिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्थिति के ज्ञान का एक महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता है।
- उसने उत्तर और दक्षिण भारत के विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया। वह नालंदा विश्वविद्यालय में पांच वर्ष तक रहा।
- उसने **चतुर्थ बौद्ध संगीति** के संदर्भ में लिखा। यह कुषाण राजा कनिष्क के शासनकाल के तहत 72 ईस्वी में कश्मीर के कुण्डलवन में आयोजित की गई थी।

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों की सूची:

- इस सूची को अमूर्त धरोहर को प्रोत्साहन देने और उनके महत्व के सम्बंध में जागरूकता के प्रसार के लिए तैयार किया गया है। इसका निर्माण **कन्वेंशन फॉर सेफगार्डिंग दि इनटैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज** के प्रभाव में आने के पश्चात किया गया था।
- **अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का अर्थ-** प्रथाएँ, अभिव्यक्तियाँ, वर्णन, ज्ञान व कौशल के साथ-साथ इनसे संबंधित उपकरण, वस्तुएँ, प्राचीन कलाकृतियाँ और सांस्कृतिक स्थल; जिन्हें समुदायों, समूहों और कुछ मामलों में, व्यक्ति-विशेष द्वारा अपनी सांस्कृतिक धरोहर के एक भाग के रूप में महत्व दिया जाता है, अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर कहलाती हैं।
- **अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए गठित अंतर-सरकारी समिति**, सदस्य देशों द्वारा प्रस्तावित नामांकनों का मूल्यांकन करती है। इसके बाद इस सूची को प्रत्येक वर्ष प्रकाशित किया जाता है।
- यूनेस्को दो पृथक सूचियाँ प्रकाशित करती है:
    - **मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची** - इसमें उन अमूर्त धरोहरों को शामिल किया जाता है, जो सांस्कृतिक विविधता का प्रतिनिधित्व करती हैं।
    - **ऐसी अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों की सूची, जिन्हें तत्काल संरक्षण की आवश्यकता है-** इसमें उन अमूर्त धरोहरों को शामिल किया जाता है, जिन्हें संरक्षण के लिए तत्काल उपाय किए जाने की आवश्यकता है। यह अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करने में भी सहायता करती है।

यह **'रजिस्टर ऑफ़ गुड सेफगार्डिंग प्रैक्टिसेज' (Register of Good safeguarding practices)** का प्रकाशन भी करता है। इस रजिस्टर में, वे कार्यक्रम, परियोजनाएँ और गतिविधियाँ सम्मिलित होती हैं जो कन्वेंशन के सिद्धांतों को सर्वोत्तम रूप से प्रतिबिंबित करती हैं।

- भारत की यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल होने वाली अन्य प्रविष्टियां :
    - **योग-** एक प्राचीन आध्यात्मिक अनुशासन है, जो मन और शरीर के मध्य सामंजस्यता पर केंद्रित है।
    - **पंजाब में ठठेरों के मध्य पारंपरिक रूप से पीतल और तांबे से बनाए जाने वाले बर्तनों की शिल्पकला।**
    - **संकीर्तन -** मणिपुर के गायन, नृत्य और ढोल बजाने की परंपरा।
- **लद्दाख में बौद्ध भिक्षुओं का मंत्र उच्चारण-** पवित्र बौद्ध ग्रंथों का पाठ/उच्चारण।
- **छऊ नृत्य-** इस नृत्य का प्रदर्शन एक मुखौटे के साथ किया जाता है। यह पूर्वी भारत की जनजातीय मार्शल नृत्य शैली है, जिसमें महाकाव्यों (महाभारत, रामायण आदि), स्थानीय लोकगीत और काल्पनिक विषयों से संबंधित घटनाओं का अभिनय किया जाता है।
- **कालबेलिया लोक गीत और नृत्य -** कालबेलिया गीतों और नृत्य का अभिनय राजस्थानी जनजाति द्वारा किया जाता है। कालबेलिया को सपेरा जाति (snake-charmers) के रूप में भी जाना जाता है।
- **कूडियाट्टम -** यह केरल के संस्कृत नाट्यकला की एकमात्र जीवित परंपरा है।
- **वैदिक मंत्रों के उच्चारण की परंपरा**
- **रामलीला -** रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन।
- **रम्मन -** भारत में गढ़वाल हिमालय की धार्मिक और अनुष्ठानिक नाट्यकला।
- **मुदियेत्तु-** केरल का धर्मिक और नृअनुष्ठानिक नाट्यकला।
- **नवरोज -** यह पारसी नव वर्ष और वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है।

6.2. संकटग्रस्त विश्व धरोहर स्थलों की सूची

(List of World Heritage in Danger)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- वर्ल्ड हेरिटेज कमिटी ने यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेंशन के अनुच्छेद 11(4) के अनुरूप 54 परिसम्पत्तियों को संकटग्रस्त विश्व धरोहर स्थलों (WORLD HERITAGE IN DANGER) की सूची में सम्मिलित करने का निर्णय लिया है।

यूनेस्को का वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेंशन

- यह कन्वेंशन, वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में सम्मिलित किए जा सकने वाले प्राकृतिक या सांस्कृतिक स्थलों को परिभाषित करता है।
- "वर्ल्ड हेरिटेज सिटी" तथा "संकटग्रस्त विश्व धरोहर स्थल" जैसी गतिविधियां यूनेस्को के इसी कन्वेंशन के तहत आती हैं।

संकटग्रस्त विश्व धरोहर स्थलों की सूची

- "इन-डेंजर" सूची अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उन स्थितियों से अवगत कराती है जो किसी वर्ल्ड हेरिटेज साइट की उन विशेषताओं हेतु संकटप्रद है जिनके आधार पर उस परिसम्पत्ति को वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में सम्मिलित किया गया था। इसके साथ ही यह सरकारों को उन स्थलों को संरक्षित करने हेतु कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करती है।
- इस सूची में कोई भी भारतीय स्थल नहीं है।
- 2017 की संकटग्रस्त सूची में सम्मिलित विश्व धरोहर स्थल
    - हिस्टोरिक सेंटर ऑफ़ वियना, ऑस्ट्रिया
    - हेब्रोन/अल-खालिद ओल्ड टाउन, फिलिस्तीन

6.3. वर्ल्ड हेरिटेज सिटी

(World Heritage City)

- क्राको, पोलैंड में संपन्न वर्ल्ड हेरिटेज कमिटी (WHC) की बैठक के 42वें सत्र के दौरान यूनेस्को द्वारा अहमदाबाद के 606 वर्ष पुराने चारदीवारी युक्त शहर को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी घोषित किया गया।
- आधुनिक अहमदाबाद की स्थापना 1411 ईस्वी में अहमद शाह द्वारा आशावल और कर्णावती के प्राचीन स्थलों पर की गई थी।
- इस शहर में विद्यमान हिंदू और जैन मंदिरों तथा इस्लामी और यूरोपीय वास्तुकला का समृद्ध मिश्रण इसकी सामासिक संस्कृति का परिचायक है।

भारत में विश्व विरासत स्थल :

मानव निर्मित स्थल	
आगरा का किला	अजंता की गुफाएं
साँची के बौद्ध स्मारक	चंपानेर–पावागढ़ का पुरातत्व उद्यान
छत्रपति शिवाजी टर्मिनस/टर्मिनल (पूर्व विक्टोरिया टर्मिनस)	गोवा के चर्च और कान्वेन्ट्स
एलिफेंटा की गुफाएं	एलोरा की गुफाएं
फतेहपुर सीकरी	महान प्राणवान चोल मंदिर
हंपी में स्मारकों का समूह	महाबलीपुरम के स्मारकों का समूह
पट्टडकल के स्मारकों का समूह	राजस्थान के पहाड़ी किले
हुमायूँ का मकबरा, दिल्ली	खजुराहो के स्मारकों का समूह
महाबोधि मन्दिर, बोधगया	भारत के पर्वतीय रेलमार्ग

कुतुब मीनार, दिल्ली	रानी की वाव (रानी की बावड़ी) पाटन, गुजरात
लाल किला	भीमबेटका शैलाश्रय
सूर्य मन्दिर, कोणार्क	ताजमहल
जंतर-मंतर, जयपुर	नालंदा महावीर का पुरातत्व स्थल (नालंदा विश्वविद्यालय), बिहार
ली कोर्बुज़िए का स्थापत्य कार्य (चंडीगढ़ कैपिटल कॉम्प्लेक्स)	अहमदाबाद का ऐतिहासिक शहर
प्राकृतिक स्थल	
ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान	काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान
केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान	मानस वन्यजीव अभ्यारण
नंदा देवी एवं फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान	सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान
पश्चिमी घाट	मिश्रित विश्व धरोहर स्थल के रूप में: कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान

6.4 यूनेस्को एशिया पेसिफिक अवार्ड् ऑफ़ मेरिट

(UNESCO Asia Pacific Award of Merit)

सुर्ख़ियों में क्यों?

तमिलनाडु के श्रीरंगम में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर को सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया पेसिफिक अवार्ड् ऑफ़ मेरिट 2017 से सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक विरासत संरक्षण कार्यक्रम के लिए यूनेस्को एशिया पेसिफिक अवार्ड्स

- इसका उद्देश्य अपने विरासत मूल्यों को प्रभावित किए बिना ऐतिहासिक संरचनाओं की मरम्मत और संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों को स्वीकार करना है।
- पुरस्कारों को चार श्रेणियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है -अवार्ड् ऑफ़ एक्सीलेंस, अवार्ड्स ऑफ़ डिसटिंगशन, अवार्ड् ऑफ़ मेरिट और अवार्ड् फॉर न्यू डिज़ाइन इन हेरिटेज कांटेक्स्ट।
- मुंबई के क्राइस्ट चर्च और रॉयल बॉम्बे ओपेरा हाऊस भारत के अन्य ऐसे स्मारक हैं जिन्हें इस वर्ष का अवार्ड ऑफ़ मेरिट प्राप्त हुआ है।

श्री रंगनाथस्वामी मंदिर के संदर्भ में

- इसे **108** सबसे महत्वपूर्ण **मुख्य विष्णु मंदिरों (दिव्यदेशम)** में से एक माना जाता है।
- यह मंदिर **दो नदियों, कावेरी और कोलरून द्वारा बनाए गए एक द्वीप** पर स्थित है।
- इसमें सात प्राकार या संलग्न दीवारें हैं।
- यह एक **वैष्णव मंदिर** है जिसे वास्तुकला की **तमिल या द्रविड़ शैली** में निर्मित किया गया है। मंदिर और 1000 स्तंभों वाले सभागृह का निर्माण एक पुराने मंदिर के स्थान पर विजयनगर काल (1336-1565) में किया गया था।
- श्री रंगनाथस्वामी मंदिर का गोपुरम एशिया का **सबसे बड़ा गोपुरम** है। इसे "राजा गोपुरम" भी कहा जाता है।

- इस मंदिर को मंदिर संरचनाओं के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन की पुनर्स्थापना तथा ऐतिहासिक अपवाह तंत्र प्रणाली के पुनर्निर्माण में पारंपरिक पद्धति के प्रयोग हेतु यूनेस्को पुरस्कार दिया गया।

द्रविड़ वास्तुकला

- यह वास्तुकला की एक शैली है, जो मुख्य रूप से दक्षिण भारत की मंदिर वास्तुकला में पायी जाती है। मंदिर वास्तुकला की यह शैली **7 वीं से 18** वीं सदी तक विद्यमान थी। यह अपने पिरामिड टॉवर और संरचनात्मक विशालता के लिए विख्यात थी।
- द्रविड़ शैली का उद्भव चोल राजवंश के शासनकाल में देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त, यह **पल्लव वंश के राजाओं, पांड्या, विजयनगर के राजाओं और मदुरा के नायकों** द्वारा भी विकसित की गई थी।
- प्राचीनतम उदाहरणों में से एक **महाबलीपुरम का शैलोत्कीर्णित (rock cut) मंदिर या इसके पास का तटीय मंदिर (shore temple)** है।
- इस शैली के मंदिर विमान, गोपुरम, मंडपम से युक्त होते हैं।
- **विमान** भूमि का केंद्रीय भूखंड होता था। इसमें एक वर्गीय कक्ष देवालय होता था, जहां मुख्य भगवान की मूर्ति को रखा जाता था।
- सामने की दीवार में प्रवेश द्वार को **गोपुरम** कहा जाता है।
- एक स्तंभ युक्त मंडप या हॉल होता था जो मंदिर के विभिन्न भागों को संदर्भित करता है, उसे **मंडपम** कहा जाता है।
- मंदिर प्रांगण के अंदर जल का सरोवर भी मौजूद था।
- पत्थर या कांस्य से बनी देवता की मूर्ति को मंदिर के सबसे पवित्र स्थान, **"गर्भगृह"** के अंदर रखा जाता था।
- द्रविड़ शैली के मंदिरों के कुछ अन्य उदाहरण **तंजौर में बृहद्धेश्वर** (राजराज प्रथम द्वारा निर्मित), **गंगाईकोंडचोलपुरम मंदिर** (राजेंद्र प्रथम द्वारा निर्मित) आदि हैं।

6.5. रचनात्मक शहरों के नेटवर्क की सूची

(Creative Cities Network List)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में चेन्नई को यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क ('यूनेस्को क्रियेटिव सिटीज नेटवर्क') की सूची में सम्मिलित किया गया है।

रचनात्मक शहरों का नेटवर्क क्या है?

- इसे **2004** में निर्मित किया गया था। इसका उद्देश्य ऐसे **शहरों के साथ तथा उनके मध्य सहयोग** को बढ़ावा देना है जिन्होंने 'रचनात्मकता' को धारणीय शहरी विकास के एक रणनीतिक कारक के रूप में स्वीकृति प्रदान की है।
- 7 रचनात्मक क्षेत्रों अर्थात् शिल्प और लोक कला, डिजाइन, फिल्म, पाक कला, साहित्य, संगीत और मीडिया आर्ट्स के आधार पर शहरों को दर्जा प्रदान किया जाता है।
- इस नेटवर्क में सम्मिलित होकर, शहर **अपनी सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणाली साझा करने, साथ ही** सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र तथा नागरिक समाज के साथ **साझेदारी विकसित करने हेतु** प्रतिबद्ध हैं।
- चेन्नई को अपनी समृद्ध संगीत परंपरा के लिए यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क की सूची में सम्मिलित किया गया है। जयपुर (शिल्प) और वाराणसी (संगीत) के बाद इस सूची में शामिल किया जाने वाला यह **तीसरा भारतीय शहर** है।

6.6. यूनेस्को की इन्डैन्जर्ड सूची

(UNESCO's Endangered List)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- यूनेस्को द्वारा तैयार की गई एक सूची के अनुसार भारत की 42 भाषाएँ लुप्तप्राय (इन्डैन्जर्ड) हैं और सम्भवतः यह विलुप्ति की ओर अग्रसर हैं। ये भाषाएँ 10,000 से भी कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं।

संबंधित तथ्य

- भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची (अनुच्छेद 344(1) एवं 351) में भारत की 22 अनुसूचित भाषाओं का उल्लेख किया गया है।
- इन 22 अनुसूचित भाषाओं के अतिरिक्त, 31 अन्य भाषाओं को राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा आधिकारिक भाषा का दर्जा प्रदान किया गया है।
- जनगणना निदेशालय की एक रिपोर्ट के अनुसार 100 गैर-अनुसूचित भाषाएँ हैं, जो एक लाख या उससे अधिक लोगों द्वारा बोली जाती हैं।

सरकारी पहलें

- **भारत सरकार** ने 2014 में **"भारत की लुप्तप्राय भाषाओं की सुरक्षा और संरक्षण"** की एक योजना प्रारम्भ की थी।
- इस योजना के अधीन, **केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान (CIIL), मैसूर** देश में 10,000 से कम लोगों द्वारा बोली जाने वाली सभी मातृभाषाओं/भाषाओं (विलुप्ति की मात्रा और उपयोग के प्रक्षेत्र (domain) में कमी को ध्यान में रखते हुए) की सुरक्षा, संरक्षण और प्रलेखन का कार्य करता है।
- इस कार्यक्रम के अंतर्गत व्याकरण संबंधी व्याख्याएँ, एकभाषीय एवं द्विभाषीय शब्दकोश, भाषा प्रवेशिका, लोक-साहित्य के संकलन, सभी भाषाओँ या उपभाषाओं (विशेष रूप से वे जो 10,000 से कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं) के विश्वकोष तैयार किए जा रहे हैं।

यूनेस्को ने विलुप्ति के संकट (endangerment) के आधार पर भाषाओं का वर्गीकरण निम्नानुसार किया है:

- सुभेद्य (Vulnerable)
- निश्चित रूप से संकटाग्रस्त (Definitely Endangered)
- गम्भीर रूप से संकटाग्रस्त (Severely Endangered)
- अत्यधिक गम्भीर रूप से संकटाग्रस्त (Critically Endangered)

6.7. कांफ्रेंस ऑन टूरिज्म एंड कल्चर

(Conference on Tourism and Culture)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- अक्टूबर 2017 में सं**धारणीय विकास** पर केन्द्रित **द्वितीय UN वर्ल्ड टूरिज्म आर्गेनाइजेशन / UNESCO वर्ल्ड कांफ्रेंस ऑन टूरिज्म एंड कल्चर** का आयोजन किया गया था।

कांफ्रेंस के विषय में

- इसका सबसे पहले 2015 में आयोजन किया गया था। इसमें पहली बार विश्व के सभी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रियों को एक साथ एक मंच पर लाया गया, जिसका उद्देश्य इन उच्च अंतःस्थापित क्षेत्रों के मध्य एक सुदृढ़ सहयोग हेतु महत्वपूर्ण अवसरों एवं चुनौतियों की पहचान करना था।

यूनाइटेड नेशन्स वर्ल्ड टूरिज्म आर्गेनाइजेशन

- यह एक संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी है जो उत्तरदायी, संधारणीय एवं सार्वभौमिक रूप से सुगम्य पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु उत्तरदायी है।
- UNWTO **पर्यटन की वैश्विक आचार संहिता** के क्रियान्वयन को प्रोत्साहित करता है, ताकि पर्यटन के संभावित नकारात्मक प्रभावों को कम करते हुए इसके सामाजिक-आर्थिक योगदान को बढ़ावा मिल सके।
- यह **सतत विकास लक्ष्य (SDG)** की प्राप्ति में पर्यटन को एक उपकरण के रूप में बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जो गरीबी को कम करने के साथ ही वैश्विक सतत विकास को प्रोत्साहित करने में अग्रसर रहे।